तापमान

अधिकतम 27.2 डिग्री

न्यूनतम 14.6 डिग्री

हरिभूमि

महासमुंद भूमि

रायपुर, रविवार 4 जनवरी 2026

सरायपाली | बसना | पिथौरा | बागबाहरा | तुमगांव | खरियार रोड

12 बिरकोनी में धूमधाम से मनाया गया छेरछेरा पर्व

12 खरोरा में धूमधाम से मनाया गया में छेरछेरा त्योहार

खबर संक्षेप

महिला तहसीलदार ने लिखाई रिपोर्ट

महासमुंद। जिले के पिथौरा थाना क्षेत्र में तहसील कार्यालय पिथौरा में 2 जनवरी को जितेंद्र सिन्हा द्वारा किए गए प्रदर्शन मामले में महिला तहसीलदार की रिपोर्ट पर पिथौरा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने, आत्महत्या की धमकी देने, अपने कपड़े उतार कर स्टाफ को कार्यालय के अंदर परिरोध किए जाने संबंधित मामलों में कई धाराओं में अपराध दर्ज किया गया है। महिला तहसीलदार के आवेदन पर आरोपी के विरूद्ध धारा 127(2), 221, 224, 226, 351, 79 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

अस्पताल में डॉक्टर से दुर्व्यवहार, एफआईआर

महासमुंद। प्राथमिक स्वास्थ केंद्र मुनगासेर के डॉक्टर के साथ गाली गलौज और दुर्व्यवहार करने वाले दो लोगों के खिलाफ बागबाहरा थाने में एफआईआर दर्ज किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार मुनगासेर अस्पताल में पदस्थ डॉक्टर संकेत चंद्राकर 2 जनवरी को अपना कार्य कर रहे थे, इसी दौरान लगभग 10:25 बजे टिकेश्वर पटेल एवं लालजी पटेल निवासी खाड़ादरहा ने अस्पताल में आकर चिकित्सक के साथ गाली गलौज व दुर्व्यवहार किया। साथ ही शासकीय कार्य में रूकावट पैदा किया। मामले में चिकित्सक की रिपोर्ट पर आरोपियों के विरूद्ध बागबाहरा थाने में धारा 296, 221, 3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

30 लीटर महुआ शराब जब्त, एक पर कार्रवाई

महासमुंद। ग्राम पुरुषोत्तमपुर के दीवानडीपा जंगल में शराब की अवैध बिक्री कर रहे एक व्यक्ति के खिलाफ बसना पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति दीवानडीपा जंगल में अवैध महुआ शराब बिक्री करने के लिए रखा हुआ है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उक्त व्यक्ति से पूछताछ की, जिस पर उसने अपना नाम श्रीलाल निषाद पिता लहाराम निषाद (30 साल) निवासी पुरुषोत्तमपुर होना बताया। आरोपी के कब्जे से कुल 30 लीटर हाथ भट्ठी महुआ शराब कीमत 6000 रुपए को बरामद किया गया।

महिला से मारपीट

महासमुंद। महिला से मारपीट की शिकायत पर सिटी कोतवाली में आरोपी पति के विरूद्ध मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस को प्रार्थिया प्रियस्का जोशी पति विकास जोशी ने बताया कि वह किराये के मकान अयोध्या नगर महासमुंद में अपने पति विकाश जोशी व अपने तीन साल के बेटे के साथ रहती है। उसके पति के द्वारा मोटरसायकल, मायके से पैसे लाने की बात पर मारपीट करता था। 1 जनवरी को भी उसने मायके से पैसे लाने और जमीन में हिस्से की बात पर लडाई-झगडा मारपीट किया।

गुटखा प्रतिबंध केवल कागजों में, स्कूलों के आसपास खुलेआम बिक्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

शासन द्वारा जर्दायुक्त गुटखा और पान मसाला पर लगाए गए प्रतिबंध की जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। जिस प्रतिबंध को जनता के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए लागू किया गया हैं, वह अब केवल फाइलों और नारों तक सीमित रह गया है। जिले के शहरी इलाकों से लेकर सुदूर वनांचल के गांवों तक प्रतिबंधित गुटखा न केवल बिक रहा है, बल्कि अब यह एक मुनाफेदार ब्लैक मार्केट बन चुका है। हैरानी की बात यह है कि प्रतिबंध लगने के बाद इस अवैध कारोबार ने दम तोड़ने के बजाय और रफ्तार पकड़ ली है। शुरुआत में कार्रवाई के डर से दुकानदार इसे छिपाकर बेचते रहे हैं, लेकिन प्रशासन की लंबी चुप्पी और ठोस कार्रवाई के अभाव ने उनके हौसले बुलंद कर दिए हैं। वर्तमान में स्थिति यह है कि दुकानदार हर पाउच पर 2 से 5 रुपये तक की अतिरिक्त वसूली कर रहे हैं। आम आदमी की जेब भी कट रही है और स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ भी जारी है। सवाल यह उठता है कि जब बिक्री पर रोक है, तो यह माल थोक मात्रा में बाजार तक कैसे पहुंच रहा है।

प्रतिबंध लगने के बाद अवैध कारोबार जारी, विभाग भी कार्रवाई करने उदासीन

स्कूलों के सामने नशे की पाठशाला

गुटखा की बिक्री स्कूलों के आसपास देखने को मिल रही है। जिले के कई प्रमुख शासकीय और निजी स्कूलों के ठीक बाहर स्थित छोटी गुमटियों और किराना दुकानों में जर्दायुक्त गुटखा खुलेआम उपलब्ध है। जिले में 14 से 18 वर्ष की आयु के स्कूली छात्र इस नशे की गिरफ्त में आ रहे हैं। स्कूलों के पास इन दुकानों का होना न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ी को कैंसर और नशे की दलदल में धकेलने जैसा है।

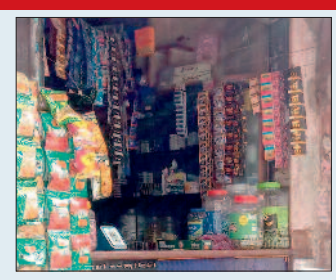

सीमावर्ती की चुनौतियां और सप्लाई चैन

इस कारोबार में ओडिशा प्रवेश द्वार है। गुटखा निर्माता और बड़े सप्लायरों ने एक ऐसा नेटवर्क तैयार कर लिया है जो मुख्य सड़कों के बजाय ग्रामीण रास्तों से माल की सप्लाई करता है। प्रशासनिक जांच और चेक पोस्ट केवल खानापूर्ति बनकर रह गए हैं। शहर के व्यस्ततम चौक-चौराहों पर स्थित दुकानों में दिनदहाड़े प्रतिबंधित गुटखा पाउच की बिक्री हो रही है पर इस पर प्रशासन अब तक कोई कार्रवाई नहीं कर रही है।

धान खरीदी : 80 हजार किसान कर रहे धान बेचने का इंतजार

उपार्जन केंद्रों में जगह तक नहीं धान खरीदी में हो रही परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के तहत धान खरीदी की प्रक्रिया चल रही है। जिले के 182 उपार्जन केंद्रों पर व्यवस्थाएं चरमरा गई हैं। सरकारी आंकड़े की माने तो जिले में अब तक 5.20 लाख मीट्रिक टन की खरीदी हो चुकी है वहीं उठाव की गति धीमी होने से किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार, 2 जनवरी तक जिले में 5,20,220 मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया जा चुका है। प्रशासनिक सूत्रों की मानें तो मिलर्स को 1.85 लाख मीट्रिक टन का डीओ जारी किया गया है। हालांकि, आंकड़ों का दूसरा पहलू चिंताजनक है। अब तक केवल 1.17 लाख मीट्रिक टन धान का ही उठाव हो पाया है। इसका सीधा असर उपार्जन केंद्रों की क्षमता पर पड़ रहा है। जिले के 182 केंद्रों में से 133 केंद्र अपनी बफर लिमिट से ऊपर भर चुके हैं। केंद्रों पर धान रखने की जगह नहीं बची है, जिससे नई खरीदी की प्रक्रिया बाधित हो रही है।

समय का अभाव और किसानों की बढ़ती बेचैनी

धान खरीदी शुरू हुए 32 दिन से अधिक हो चुके हैं और अंतिम तिथि 31 जनवरी सिर पर है। यदि सरकारी अवकाशों को हटा दिया जाए, तो अब केवल 17 कार्य दिवस शेष हैं। सबसे बड़ी चुनौती यह है कि जिले के लगभग 80 हजार पंजीकृत किसानों से अब तक एक दाना धान भी नहीं खरीदा जा सका है। हजारों किसानों के अब तक टोकन ही नहीं कट पाए हैं। इस वर्ष रकबा कम दिखाने और संशोधन की प्रक्रिया में हुई देरी ने छोटे और सीमांत किसानों की कमर तोड़ दी है। कई किसान अपनी खतौनी और रकबे को सुधरवाने के लिए तहसील कार्यालयों और केंद्रों के चक्कर लगा रहे हैं।

अव्यवस्था के बीच सर्वाधिक खरीदी हो रही बढ़ाई

प्रशासन जिस सर्वाधिक खरीदी को अपनी उपलब्धि बता रहा है, वह दरअसल किसानों की मजबूरी का बोझ भी है। केंद्रों पर धान का पहाड़ खड़ा है, लेकिन मिलर्स द्वारा उठाव की धीमी रफ्तार ने जाम की स्थिति पैदा कर दी है। कलेक्टर ने अधिकारियों को उठाव में तेजी लाने के निर्देश तो दिए हैं, लेकिन धरातल पर समन्वय की कमी साफ दिखाई दे रही है। खाद्य विभाग, सहकारिता विभाग और जिला विपणन अधिकारी के बीच तालमेल की कमी का खामियाजा किसान भुगत रहा है।

नगर से लेकर गांव तक छेरछेरा की धूम परंपरा और उत्साह के रंग में डूबा जिला

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

छत्तीसगढ़ का पारंपरिक और लोक आस्था का पर्व छेरछेरा जिले के नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। छेरछेरा, कोठी के धान ला हेर हेरा के साथ सुबह से ही बच्चों और युवाओं की टोलियां घर-घर जाकर दान मांगते नजर आये। त्योहार को लेकर बच्चों में भारी उत्साह देखा गया। वे झोला लेकर गलियों में निकले और लोगों ने भी खुले दिल से उन्हें धान और भेंट स्वरूप राशि दान की। फसल कटाई के बाद खुशी साझा करने वाले इस पर्व पर ग्रामीण इलाकों में विशेष रौनक रही। लोगों ने पारंपरिक व्यंजन बनाए और एक-दूसरे को पर्व की बधाई दी।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह की शुरुआत

महासमुंद। जिला पुलिस द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जिला पुलिस, यातायात विभाग, परिवहन विभाग की उपस्थिति रही। हेलमेट जागरुकता आयोजन के माध्यम से संदेश दिया गया कि सड़क सुरक्षा एक साझा जिम्मेदारी है।

गैस चूल्हा सुधारते वक्त लगी आग, 2 साल की मासूम समेत चार लोग गंभीर रूप से झुलसे

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

गैस रिसाव के चलते खपरैल मकान में आग लगने से एक परिवार बुरी तरह झुलस गया। शहर के सुभाष नगर वार्ड क्रमांक 25 में पूर्व पार्षद के घर के ठीक पीछे हुए हादसे में परिवार की महिला, उनकी बेटी, एक सर्विसमैन और उसकी 2 साल की मासूम बेटी बुरी तरह झुलस गए। गंभीर रुप से घायल हुए लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, बुजुर्ग दंपति खेलावन और उनकी पत्नी चंद्रिका बाई खाना बनाने की तैयारी में थे। घर के बाहर चूल्हे पर खाना बनाने की बात पर उनकी 35 वर्षीय बेटी लक्ष्मी बाई ने कहा कि गैस चूल्हा खराब है और उसे ठीक कराने के लिए सर्विस मैन को बुलाया गया है। इंडेन गैस का सर्विसमैन रूपेश साहू (29 वर्ष) शुक्रवार की रात करीब 9 बजे अपने साथ अपनी 2 साल की छोटी बेटी किंजल को लेकर खेलावन के घर पहुंचा। जैसे ही रूपेश ने गैस स्टोव को सुधारना शुरू किया, अचानक खराबी के कारण गैस का तीव्र रिसाव होने लगा। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, कमरे में फैली गैस ने आग की लपटों ने पूरे कमरे को घेर लिया। जिसके बाद कमरे में अफरा-तफरी मच गई। दूसरे कमरे में मौजूद खेलावन शोर सुनकर उस ओर पहुंचें तो नजारा देख उनके होश उड़ गए। कमरे के भीतर उनकी बेटी लक्ष्मी बाई, सर्विस मैन रूपेश और उसकी मासूम बेटी किंजल आग की लपटों के बीच घिरे रहे।

बाहर खड़ी चंद्रिका बाई मदद के लिए जोर-जोर से चिल्लाती रही। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लक्ष्मी बाई ने साहस दिखाते हुए 2 साल की मासूम किंजल को सुरक्षित निकालने गोद में भर लिया और आग से जूझती रहीं। रूपेश भी अपनी बेटी और लक्ष्मी को बचाने के संघर्ष में बुरी तरह झुलस गया। इस बचाव कार्य के दौरान मासूम किंजल का चेहरा और शरीर आग की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायलों की स्थिति और पुलिस की कार्रवाई

आसपास के लोगों की मदद से जैसे-तैसे आग पर काबू पाया गया और सभी घायलों को तत्काल जिला चिकित्सालय महासमुंद पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें तत्काल रायपुर के उच्च स्तरीय अस्पताल के लिए रेफर कर दिया है। घायल हुए लोगों में लक्ष्मी बाई (35 वर्ष), रूपेश साहू 29 वर्ष, किंजल साहू (2 वर्ष) एवं चंद्रिका बाई (55 वर्ष) शामिल हैं। पुलिस ने मामले को संज्ञान में ले लिया है।

बाजार में मुनगा 200 रुपए किलो, अन्य सब्जियों के दाम भी आसमान पर

कड़ाके की ठंड के बीच सब्जियों के दाम में भारी उछाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

लोगो का बीते वर्षों का अनुभव रहा

- रसोई की जान टमाटर भी अपने तेवर में

है कि जैसे ही ठंड का सीजन अपनी रंगत पकड़ता है तो बाजार में हरी सब्जियों की आवक बढ़ जाती है और दाम इतने गिर जाते है कि आम आदमी झोले भर-भरकर सब्जियां घर ले जाता रहे है। लेकिन इस साल तस्वीर बिल्कुल उलट है। कड़ाके की ठंड में भी जिला मुख्यालय के बाजार में सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं, जिससे आम आदमी की रसोई का बजट पूरी तरह गड़बड़ा गया है। बाजार में इन दिनों सबसे ज्यादा चर्चा मुनगा की है। सीजन की यह प्रमुख सब्जी वर्तमान में 200 रुपये प्रति किलो के भाव पर बिक रही है, जिसे खरीदना मध्यमवर्गीय परिवार की पहुंच से बाहर होता जा रहा है। वहीं, सब्जियों में सबसे कम दाम बैंगन के हैं, जो 30 रुपये किलो बिक रहा है। हालांकि, अन्य सब्जियों के मुकाबले यह सस्ता है, लेकिन पिछले सालों की तुलना में यह भी महंगा ही माना जा रहा है। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि इस बार आवक और मांग के बीच असंतुलन बना हुआ है। आमतौर पर इस सीजन में बाहरी राज्यों और स्थानीय स्तर पर भारी उत्पादन से कीमतें गिरती हैं, लेकिन इस साल सप्लाई चेन में बाधा और बेमौसम की स्थिति ने गणित बिगाड़ दिया है। फिलहाल, कड़ाके की ठंड में सस्ती सब्जी की उम्मीद लगाए बैठे उपभोक्ताओं को अभी और कुछ दिन जेब ढीली करनी पड़ सकती है।

सेम और मटर की कीमतों में उछाल

सर्दियों की खास पसंद कही जाने वाली सेम की वैरायटियों में बामी सेम 160 रुपये किलो और पान सेमी 120 रुपये किलो की दर से बिक रही है। वहीं, मटर जो इस समय तक 20-30 रुपये किलो मिल जाया करता रहा है वह अभी भी 80 रुपये प्रति किलो पर अटका हुआ है। रसोई की जान टमाटर भी अपने तेवर नरम नहीं कर रहा है और 40 रुपये किलो पर बना हुआ है।

भाजियों के दाम ने चौंकाया

छत्तीसगढ़ी खानपान में भाजियों का विशेष महत्व है, लेकिन इस बार इनके दाम सुनकर लोग ठिठक रहे हैं। सबसे ज्यादा मांग वाली चना भाजी 150 रुपये किलो के रिकॉर्ड स्तर पर है। इसके अलावा अन्य भाजियों जैसे तिंवरा भाजी 60 रुपये किलो, पालक एवं कुसुम भाजी 40 रुपये किलो, मेथी पत्ता 60 रुपये किलो, धनिया पत्ती 100 रुपये किलो तक बिक रहे है।

लोहिया चौक में हुआ विराट हिंदू सम्मेलन

महासमुंद। नगर के शहीद सरदार भगतसिंह बस्ती स्थित लोहिया चौक पर शनिवार को विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन संपन्न हुआ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। दोपहर 2 बजे शुरू हुए इस सम्मेलन में पहुंचे संत-महात्माओं ने समाज को अपना आशीर्वाद दिया और एकजुटता का संदेश दिया। वक्ताओं ने भारतीय संस्कृति और सामाजिक समरसता पर जोर दिया। लोहिया चौक में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था के इंतजाम रहे। स्थानीय नागरिकों ने इस आयोजन में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

खबर संक्षेप

मामाभांचा में मड़ई मेला आज

महासमुंद। ग्राम मामाभांचा में प्रतिवर्ष के भांति इस वर्ष भी 4 जनवरी 2026 को मड़ई मेला एवं रात्रिकालीन छत्तीसगढ़ी नाचा पार्टी रंग सागर चरौदा (छुरा) कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर ग्रामवासी व ग्राम विकास समिति के द्वारा अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को शोभा बढाने की अपील की है। उक्ताशय को जानकारी टिकेश साहू ने दी।

रमन ने किया विधानसभा के डायरी कैलेंडर का विमोचन

रायपुर। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने अपने शंकर नगर स्थित स्पीकर हाऊस में शुक्रवार को छत्तीसगढ़ विधानसभा के वर्ष 2026 के कैलेण्डर एवं डायरी (दैनंदिनी) का विमोचन किया। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप, मंत्री खुशवंत साहेब, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडे एवं विधायक सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, विधानसभा के सचिव दिनेश शर्मा एवं विधानसभा अध्यक्ष के सचिव विक्रम सिसोदिया विधानसभा भी उपस्थित थे। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष के रूप में दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर ''डॉ. रमन सिंह अध्यक्ष छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्षीय कार्यकाल के दो वर्ष महत्वपूर्ण कार्य एवं उपलब्धियां'' शीर्षक से पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

भाजपा पुरानी बस्ती मंडल में जरूरतमंदों को बांटे कंबल

रायपुर। भाजपा पुरानी बस्ती मंडल अंतर्गत डॉ. विपिन बिहारी सूर वार्ड के पार्षद एवं एमआईसी सदस्य मनोज वर्मा ने वार्ड की जरूरतमंद माताओं एवं बुजुर्गों को कंबल वितरित करने कार्यक्रम का आयोजन किया। मंडल अध्यक्ष केदार धनगर ने बताया कि यह कार्यक्रम पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर हम सुशासन पर्व के रूप में मनाते हैं और इसी कड़ी में ठंड को देखते हुए सैकड़ों जरूरतमंदों को कंबल प्रदान किया गया। इसी तरह सेवाकार्य निरंतर चलते रहेंगे।

निधन

मीना गुप्ता

सरायपाली। मीना गुप्ता (65 वर्ष) का शाम 6 बजे निधन हो गया है। अंतिम संस्कार 4 जनवरी को दोपहर 12 बजे मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे वरिष्ठ पत्रकार दिलीप गुप्ता की पत्नी व पीयूष व पायल गुप्ता की मां थी।

सुरेश्वरी सतपथी

सरायपाली। स्व सुरेश्वरी सतपथी धर्मपत्नी स्वर्गीय सत्यप्रकाश सतपथी (84 वर्ष) का निधन हो गया है। वे सुभाष सतपथी एवं संजय सतपथी की मां एवं सौरभ सतपथी की दादी थी। अंतिम यात्रा उनके निवास स्थान केजी कान्वेंट स्कूल से मुक्तिधाम के लिए निकली गई। जिसमें बड़ी संख्या में समाजिकजन व नागरिक उपस्थित रहे।

छेरछेरा पर्व पर अन्नदान कर कुमारी ने निभाई परंपरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सरायपाली

नगर सहित अंचल में नए साल की शुरुआत के बाद छेरछेरा पर्व मनाया जाता है। जिसे अलग-अलग जगहों पर कई नामों से भी जाना जाता है। कहीं ये छेरछेरा पुन्नी पर्व, तो कहीं पौष पूर्णिमा और शाकंभरी जयंती। छेरछेरा का छत्तीसगढ़ के लोकपर्वों में बड़ा स्थान माना गया। लोग इस दिन अन्न दान कर पुण्य कमाते हैं।

वहीं गांवों में इस त्योहार की अलग ही रौनक देखने को मिलती है। ग्रामीण इलाकों में बच्चे घरों जा जाकर छेरछेरा मांगते हैं। जिला पंचायत सभापति कुमारी भास्कर ने कहा कि छेरछेरा पर्व हमें समाज में आपसी प्रेम, सौहार्द और साझा समृद्धि की भावना को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों से इस लोकपर्व को सद्भाव, उल्लास और पारंपरिक मूल्यों के साथ मनाने का आह्वान किया। साथ ही छेरछेरा पर्व पर अन्नदान कर परंपरा निभाई।

किसान अपनी नई उपज का देते है दान

अन्नदान और फसल उत्सव के रूप त्योहार मनाया जाने वाला छेरछेरा तिहार छत्तीसगढ़ के सामाजिक समरसता, समृद्ध दानशीलता की गौरवशाली परम्परा का पर्व है। इस दिन 'छेरछेरा, कोठी के धान ल हेरहेरा' बोलते हुए गांव के बच्चे घरों में जाकर धान चावल भेंट स्वरूप प्राप्त करते है। उपज की बिक्री के प्राप्त पैसे को इकट्ठा करते हैं। बेमेतरा जिला के गांवों में यह पर्व परंपरागत तरीके से मनाया जाता है, जहां बच्चों की टोली सुबह से ही घरों में बोरी लटकाए दान लेने पहुंचती है। जहां लोग अन्न का दान शगुन स्वरूप करते हैं। बता दें कि हर त्योहार और लोक उत्सव के पीछे एक ऐतिहासिक कहानी होती है, जो हमारे देश की सांस्कृतिक विरासत को दिखाती है, जिसे पीढ़ियों से मनाया जा रहा है। छेरछेरा भी ऐसा ही एक लोक पर्व है। आइए जानते हैं इसकी अनोखी परंपराओं और इसे क्यों मनाया जाता है।

क्या है छेरछेरा पर्व की पौराणिक मान्यता

छेरछेरा पर्व की पौराणिक मान्यता भी है। आज के दिन ही मां शाकंभरी जयंती भी मनाई जाती है। ऐसा माना जाता है कि आज के ही दिन भगवान शंकर ने माता अन्नपूर्णा से भिक्षा मांगी थी, जिसमें माता से अन्न का दान किया था। इसलिए लोग धान के साथ साग-भाजी, फल का दान भी करते हैं। पौष पूर्णिमा धान के लिए प्रसिद्ध है। छत्तीसगढ़ ही नहीं संपूर्ण भारतवर्ष में इस शुभदिन अन्न, दलहन-तिलहन का दान करना बेहद शुभ माना जाता है।

माता सावित्री बाई फूले की जयंती पर किया माल्यार्पण

महासमुंद। स्थानीय वार्ड नंबर 29 में माता सावित्री बाई फूले चौक पर माता सावित्री बाई फूले की जयंती पर माल्यार्पण किया गया। साथ ही मरार समाज की ईष्ट देवी भगवती मां शाकंभरी की जयंती पर पूजा अर्चना की गई। इस मौके पर पवन पटेल जिला अध्यक्ष मरार पटेल समाज ने कहा कि माता सावित्री बाई फुले भारत की प्रथम महिला शिक्षिका है। नारी शिक्षा की प्रबल समर्थक रही, जिसके लिए उन्हें पुरजोर विरोध का सामना करना पड़ा और काफी यातनाएं भी सहना पड़ा था। आज जो महिलाएं समाज एवं शासन प्रशासन के उच्च पदों पर आसीन हैं यह सब उनके ही संघर्ष की देन है। इस अवसर पर सेवन लाल चंद्राकर, किशोर चंद्राकर, मंगल पटेल, रामेश्वर पटवा, गोपाल पटेल, रामेश्वर गजेंद्र, टीकम पटेल, मनोज पटेल, दीपक पटेल, पुरुषोत्तम पटेल, दामजी साहू, खेलावन पटेल, गोवर्धन बघेल, चंद्रशेखर चंद्राकर, आशीष दीवान, हलधर सोनवानी, सतीश सोनवानी आदि मौजूद रहे।

छेरछेरा पर्व

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के पारंपरिक त्योहार छेरछेरा पर पिछड़ा वर्ग भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं पार्षद भाऊराम साहू ने बच्चों को रुपए दान करते हुए बधाई दी।

रायपुर एवं बिलासपुर में होगा खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा खेलो इंडिया

- खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में वेटलिफ्टिंग कुश्ती, फुटबॉल एवं हॉकी चयन ट्रायल 6 से 8 जनवरी तक रायपुर में, एथलेटिक्स तीरंदाजी एवं तैराकी चयन ट्रायल बिलासपुर में 7 से 8 जनवरी तक

ट्राइबल गेम्स का प्रथम संस्करण छत्तीसगढ़ राज्य में 14 फरवरी 2026 से निर्धारित किया गया है, जिसमें कुल 9 खेलो को सम्मिलित किया गया है। राज्य दल की भागीदारी सुनिश्चित करने खिलाड़ियों का चयन ट्रायल 6 से 8 जनवरी 2026 तक रायपुर एवं बिलासपुर में होना निर्धारित है। प्रतियोगिता के माध्यम से अनुसूचित जनजाति वर्ग के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शन करने का सशक्त माध्यम हैं। छत्तीसगढ़ राज्य खेल प्रतिभाओं से समृद्ध है तथा राज्य के प्रत्येक जिले में शामिल खेलो में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी उपलब्ध हैं।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का चयन ट्रायल रायपुर में 6 से 8 जनवरी तक आयोजित होगा। जिसमें वेटलिफ्टिंग, कुश्ती, फुटबॉल एवं हॉकी खेल शामिल हैं तथा बिलासपुर में 7 से 8 जनवरी तक एथलेटिक्स, तीरंदाजी एवं तैराकी खेल आयोजित होगा। जिसमें अनुसूचित जनजाति के बालक एवं बालिका कोई भी खिलाड़ी शामिल हो सकते हैं। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में आयोजित होने वाले खेलो के आयोजन स्थल, दिनांक एवं इवेंट में वेटलिफ्टिंग 6 जनवरी को प्रातः 9 बजे एवं कुश्ती, फुटबॉल 07 से 08 जनवरी को स्वामी विवेकानंद स्टेडियम रायपुर में होगा। हॉकी 07 से 08 जनवरी प्रातः 9 बजे से आयोजित होगा। तीरंदाजी (रिकर्व एवं कंपाउंड) एवं एथलेटिक्स स्व. बीआर यादव स्टेडियम बिलासपुर 07 से 08 जनवरी प्रातः 9 बजे एवं तैराकी जिला खेल परिसर सरकंडा बिलासपुर में 07 से 08 जनवरी प्रातः 9 बजे से आयोजित होगा। खिलाड़ी छत्तीसगढ़ राज्य का निवासी हो खिलाड़ी का अनुसूचित जनजाति वर्ग से संबंधित होना अनिवार्य हैं। आयु सीमा सभी पात्र महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों के लिए खुली हैं। चयन ट्रायल में ओरिजिनल अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड/स्थानीय प्रमाण पत्र साथ लेकर जाने कहा गया हैं। एथलेटिक्स चयन ट्रायल में व्यक्तिगत स्पर्धा में 100 मीटर, 200, 400, 800, 1500, 5000, 10000, बाधा दौड़ 110 मीटर, बाधा दौड़ 400 मीटर, लंबी कूद, ऊंची कूद, गोला फेंक, भाला फेंक, तवा फेंक, 10 किलो मीटर पैदल चाल, 4 गुणा 100 मीटर एवं 4 गुणा 400 मीटर रिले दौड़ बालक एवं बालिका शामिल हो सकते हैं। वेटलिफ्टिंग व्यक्तिगत पुरुष स्पर्धा में किलोग्राम 60, 65, 71, 79, 88, 94, 110 एवं 110 किलो से अधिक एवं महिला वर्ग के लिए किलो ग्राम 48, 53, 58, 63, 69, 77, 86 एवं 86 से अधिक हो सकते हैं। तैराकी में महिला एवं पुरुष दोनों वर्गों के लिए व्यक्तिगत स्पर्धा में 50, 100, 200 मीटर फ्री स्टाईल, 50 एवं 100 मीटर बैक स्ट्रोक, 50 एवं 100 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक, 50 एवं 100 मीटर बटरफ्लाई, 200 मीटर इंडिविजुअल मिडले, टीम इवेंट में 4 गुणा 100 मीटर फ्री स्टाईल रिले एवं 4 गुणा 100 मीटर मेडले रिले आयोजित होंगे। तीरंदाजी में महिला एवं पुरुष दोनों में व्यक्तिगत रिकर्व एवं कंपाउंड एवं टीम इवेंट में रिकर्व एवं कंपाउंड राउंड तथा व्यक्तिगत स्पर्धा में शामिल होने वाले खिलाड़ी टीम इवेंट में शामिल हो सकेंगे। पंजीयन लिंक जारी किया।

जिले के 14 थाना-चौकी प्रभारियों सहित 19 के तबादले

नवागत एसपी प्रभात कुमार का बड़ा प्रशासनिक कदम

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने तथा अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से पुलिस महकमे में व्यापक प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने जिले के 14 थाना व चौकी प्रभारियों सहित कुल 19 निरीक्षक, उप निरीक्षक एवं सहायक उप निरीक्षक के तबादला आदेश जारी किए हैं। इस फेरबदल में 16 निरीक्षक, 2 उप निरीक्षक (एसआई) और 1 सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) शामिल हैं। इसके साथ ही जिले के विभिन्न थाना एवं चौकियों में पदस्थ 89 प्रधान आरक्षक व आरक्षकों का भी स्थानांतरण किया गया है। एसपी प्रभात कुमार द्वारा किया गया यह कदम जिले में अपराध नियंत्रण, बेहतर पुलिसिंग और जवाबदेही तय करने की दिशा में अहम माना जा रहा है। जारी आदेश के अनुसार निरीक्षक शरद दुबे को थाना प्रभारी महासमुंद से थाना प्रभारी बसना बनाया गया है। वहीं, सचिन गुमाश्ता को थाना प्रभारी बलौदा से थाना प्रभारी खल्लारी, सिद्धार्थ मिश्रा थाना प्रभारी तेंदूकोना से थाना प्रभारी पिथौरा, नीतेश सिंह ठाकुर थाना प्रभारी कोमाखान से थाना प्रभारी सरायपाली, प्रवीण चौहान थाना प्रभारी तुमगाँव से थाना प्रभारी तेंदूकोना, विनोद कुमार कश्यप थाना प्रभारी पटेवा से थाना अजाक, संबद्ध साइबर सेल महासमुंद । उमेश कुमार वर्मा थाना पिथौरा से थाना प्रभारी पटेवा, महेश साहू थाना प्रभारी सिंघोड़ा से थाना प्रभारी कोमाखान, राणासिंह ठाकुर थाना प्रभारी सांकरा से चौकी प्रभारी भंवरपुर, शैलेंद्र कुमार नाग थाना प्रभारी खल्लारी से चौकी प्रभारी बुंदेली, नरेंद्र कुमार राठौर थाना प्रभारी बसना से थाना प्रभारी महासमुंद, शशांक पौराणिक थाना प्रभारी सरायपाली से थाना प्रभारी बागबाहरा, संतोष सिंह थाना अजाक, हाल-साइबर सेल महासमुंद से थाना प्रभारी सिंघोड़ा, उत्तम तिवारी रक्षित केंद्र महासमुंद से थाना प्रभारी सांकरा, हितेश जंघेल रक्षित केंद्र महासमुंद से थाना प्रभारी बलौदा, दिनेश कुमार यादव रीडर-1 शाखा पु.अ. कार्यालय महासमुंद से थाना प्रभारी तुमगाँव, राजीव नाहर चौकी प्रभारी भंवरपुर से थाना महासमुंद, संबद्ध साइबर सेल महासमुंद, सउनि बसंत पाणिग्राही चौकी प्रभारी सिरपुर से थाना महासमुंद, थाना महासमुंद में पदस्थ सउनि बलराम साहू को चौकी प्रभारी सिरपुर बनाया गया है। इसके अलावा विभिन्न थाना/चौकियों में पदस्थ 89 प्रधान आरक्षकों, आरक्षकों के तबादले किए गए हैं। पुलिस विभाग के सूत्रों के अनुसार, यह फेरबदल अपराध ग्राफ को नियंत्रित करने, क्षेत्रीय पुलिसिंग को सुदृढ़ करने और जनता में सुरक्षा का भरोसा बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया है। आने वाले दिनों में पुलिस की कार्यशैली में सख्ती और सक्रियता देखने को मिल सकती है।

लायंस क्लब महासमुंद के अध्यक्ष बने पारस चोपड़ा, शपथ ग्रहण भी हुआ

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

स्थानीय चावला मैरिज पैलेस में लायंस क्लब महासमुंद का गठन हुआ। इस दौरान नए सदस्यों और पदाधिकारियों ने शपथ ली। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डिस्ट्रिक गवर्नर विजय अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व डिस्ट्रिक गवर्नर बसंत मिश्रा, पूर्व डिस्ट्रिक गवर्नर राजकुमार अग्रवाल, प्रथम वाइस डिस्ट्रिक गवर्नर रिपुदमन सिंह पुसरी, जीएलटी कोआर्टिनेटर अनिल अग्रवाल, रिजन चेयन पर्सन शांतिलाल शर्मा, जोन चेयरपर्सन राकेश अग्रवाल, विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा, पूर्व राज्यमंत्री पूनम चंद्राकर, लायंस क्लब कवर्धा के अध्यक्ष प्रेमचंद श्रीश्रीमाल मौजूद रहे।

चेयरपर्सन शांतिलाल शर्मा ने अध्यक्ष पारस चोपड़ा, सचिव शंकर पांडेय, कोषाध्यक्ष मूलचंद लढ्ढा, नूकेश चंद्राकर, जार्ज रावटे, बंटी (जसपाल) चावला, अवतार सिंह चावला समेत अधिवक्ता अनिल शर्मा, संजय राजा चोपड़ा, नासिर अली, सलीम कुरैशी, प्रीतक वाजपेयी, गुमान चंद जैन, संजय शर्मा, ताराचंद चांडक, चंद्रशेखर चंद्राकर, धर्मेंद्र महोबिया, डा. गुरुभेज सिंह गुरूदत्ता, मोती बाफना, मुकेशकांत साहू आदि को शपथ दिलाते हुए कर्तव्य की की जानकारी दी। शपथ अधिकारी ने पदाधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियों का अगाह कराते हुए बताया कि लायंस क्लब में मैं नही हम की भावना से सेवा का संकल्प लेते है। संगठित रूप से सेवा कार्य बेहतर किया जा सकता है।

मुख्य अतिथि विजय अग्रवाल ने नए क्लब गठन पर बधाई देते हुए इंटरनेशनल से संबंद्धता के लिए चार्टर व अन्य किट पदाधिकारियों और सदस्यों को प्रदान की। क्लब के गठन में लायंस क्लब कवर्धा प्रायोजक रहा, जिनके प्रयास से मूलचंद लढ्ढा व अन्य सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए 22 सदस्यों की टीम गठित की है। छेरछेरा पर्व पौष पुन्नी के अवसर पर शपथ ग्रहण का आयोजन हुआ। विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा और पूर्व राज्यमंत्री पूनम चंद्राकर ने संबोधित करते हुए बताया कि यह क्लब सेवा के क्षेत्र में मुकाम हासिल करेगा। नवनियुक्त अध्यक्ष पारस चोपड़ा ने भरोसा दिलाया कि नवगठित क्लब बुलंदियों को प्राप्त करे ऐसा प्रयास होगा। उन्होंने बताया कि पूर्व में 25-30 वर्षों तक यह क्लब संचालित हुआ है। किंतु, कुछ प्रतिकुल परिस्थितियों के कारण बंद हो गया। पूर्व में अनुमति से कार्यक्रम प्रारंभ हुआ और सभी अतिथियों ने भारत माता के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित किया। समापन उपरांत राष्ट्रगान किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष ऐतराम साहू, नपा उपाध्यक्ष देवीचंद राठी, संदीप दीवान, संदीप घोष, शरद मराठा, त्रिलोकचंद सांखला, डा. रश्मि चंद्राकर, लता चंद्राकर, अरूणा शुक्ला, अनिता रावटे, इंद्राणी पांडे, सीमा लढ्ढा, प्रिंस लढ्ढा, सुरेंदर कौर, प्रीति महोबिया आदि मौजूद थे।

तीन गांजा तस्करों को 20-20 साल कारावास, दो-दो लाख जुर्माना भी

एक वर्ष पूर्व कबीर नगर थाना क्षेत्र में पकड़े गए थे तस्कर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कबीर नगर थाना क्षेत्र में एक वर्ष पूर्व गांजा तस्करी करने के तीन आरोपियों को कोर्ट ने 20-20 वर्ष कैद के साथ दो-दो लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश किरण थवाइत की एनडीपीएस कोर्ट में हुई है। तस्करी में शामिल फरार दो आरोपियों को पुलिस अब तक गिरफ्तार नहीं कर पाई है। तस्करी में एक आरोपी को कोर्ट ने दोषमुक्त कर दिया है।

विशेष लोक अभियोजक भुवन लाल साहू के अनुसार कोर्ट ने अजहरुद्दीन कुरैशी उर्फ अजहर, अजय गौरे उर्फ बॉबी तथा राजस्थान, भरतपुर निवासी कन्हैया सिंह को कैद तथा जुर्माने की सजा सुनाई है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 29 मई 2020 को जरवाय, बीएसयूपी कालोनी स्थित एक तलाब के पास 60 किलो से ज्यादा गांजा जब्ती की थी। आरोपी कार से गांजा तस्करी कर ले जा रहे थे। इस पर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बदमाशों की घेराबंदी कर गांजा के साथ कार जब्ती की थी।

तस्करी में शामिल सूरज वर्मा तथा पृथ्वी की अब तक गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। तस्करों के दबोचे जाने के बाद दोनों आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए थे।

जोन कार्यालय में कमल निशान लगाने का विरोध, कांग्रेस का लगाया झंडा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर नगर निगम के अंतर्गत आने वाले जोन 5 के शासकीय कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी का चुनाव चिन्ह (कमल) लगाए जाने के मामले को लेकर कांग्रेस के कार्यकर्ता शहर अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन के निर्देश पर बड़ी संख्या में जोन कार्यालय पहुंचे और जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस का झंडा लगाया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इस कृत्य को संविधान, लोकतंत्र और शासकीय निष्पक्षता के खिलाफ बताते हुए जोन कमिश्नर के खिलाफ नारेबाजी की एवं प्रशासन की चुप्पी पर कड़ा आक्रोश जताया। शहर प्रवक्ता बंशी कन्नौजे ने कहा, नगर निगम एक शासकीय संस्था है न कि किसी राजनीतिक दल का कार्यालय, और वहां किसी भी पार्टी का चुनाव चिन्ह लगाना सरकारी नियमों का खुला उल्लंघन है। इसकी जानकारी एक हफ्ते पूर्व हमने जोन कमिश्नर के संज्ञान में डाल दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद नगर निगम दफ्तर से भाजपा का चुनाव चिन्ह नहीं हटाया गया। इससे लगता है, भाजपा शासन-प्रशासन को अपने संगठन के रूप में चलाने की मानसिकता रखती है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन सौंप कर मांग की है कि जोन 5 के कार्यालय से भाजपा का चुनाव चिन्ह तत्काल हटाया जाए। कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि यदि समय रहते इस मामले में कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष प्रशांत ठेंगड़ी वार्ड अध्यक्ष सुयश शर्मा योगेश दीक्षित डोमेश शर्मा मोहम्मद नियाज उत्तम देवांगन प्रीति सोनी निशा शर्मा मुकेश कुकरेजा गौरव यादव ऐश्वर्य साहू रोहित साहू संतोष वर्मा अंकुश शर्मा राहुल सिंह दीपक यादव उपस्थित थे।

मानसिक स्वास्थ्य सुधारने कितनी बैठक ली, देनी होगी जानकारी

सभी जिलों के शिक्षा अधिकारी बताएंगे-कितने शौचालय बनवाए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सभी जिलों के शिक्षा अधिकारियों को यह बताना होगा कि उन्होंने मौजूदा सत्र में कितने शौचालय बनवाए हैं तथा कितने शौचालयों की मरम्मत करवाई है? इसके अलावा छात्रों के मानसिक स्थिति सुधारने उनके द्वारा किस तरह की कोशिशें की गई और इस संदर्भ में कितने बैठक उन्होंने लिए, इसकी भी जानकारी देनी होगी। लोक शिक्षण संचालनालय 5 जनवरी को प्रदेशभर के जिला शिक्षा अधिकारियों की बैठक आयोजित करेगा। इस बैठक के तय बिंदु जिला शिक्षा अधिकारियों को प्रेषित कर दिए गए हैं। डीपीआई ने जारी किए गए आदेश में कहा है, विभागीय समीक्षा बैठकमें सभी संयुक्त संचालक, जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला मिशन समन्वयकों की उपस्थिति अनिवार्य है। एजेंडा की जानकारी 3 जनवरी तक समन्वय कक्ष को उपलब्ध कराने कहा गया है।

खास खबर

शिक्षकों की बायोमैट्रिक उपस्थिति का भी हिसाब-किताब

छात्रवृत्ति पोर्टल में कितने छात्रों का पंजीयन किया गया, इस विषय में भी विस्तार से जानकारी देनी होगी। शिक्षक बायोमैट्रिक उपस्थिति तथा ई-केवायसी की दिशा में क्या कार्य किए गए, इसकी रिपोर्ट भी समीक्षा बैठक में सभी जिला शिक्षा अधिकारी पेश करेंगे। यूडाईस, अपार एवं आधार आई.डी. की अद्यतनीकरण की जानकारी, परीक्षा पे चर्चा पोर्टल में पंजीयन, जिलों में डाइट का अपडेशन, प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना की जिला स्तरीय बैठक कब-कब आयोजित हुई और इसके क्या परिणाम निकले, यह भी जिला शिक्षा कार्यालयों से पूछा गया है।

बताएंगे स्मार्ट क्लासरूम की उपयोगिता

युक्तियुक्तकरण उपरांत पदभार ग्रहण न करने वाले शिक्षकों एवं उन पर की गई कार्यवाही की जानकारी भी पेश करने कहा गया है। मानसिक स्वास्थ्य संबंधी कितनी बैठक जिला स्तर पर हुई, इसकी रिपोर्ट भी मांगी गई है। न्यायालयीन प्रकरणों की समीक्षा, स्मार्ट क्लास रुम की उपयोगिता एवं भौतिक स्थिति, कक्षा 5वीं, 8वीं, 10 वीं एवं 12 वीं बोर्ड परीक्षा की तैयार, पीएमई विद्या चैनल का नियमित उपयोग करने वाले विद्यालयों की जानकारी, अनिवार्य बायोमैट्रिक अपडेशन (5 वर्ष एवं 15 वर्ष के बच्चों के लिए आधार अपडेशन) की जानकारी जैसे बिंदु भी बैठक एजेंडा में शामिल हैं।

खबर संक्षेप

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाएगा वीबी जीरामजी अधिनियम

महासमुंद। वरिष्ठ भाजपा नेता व पिटियाझर सोसायटी अध्यक्ष रमेश साहू ने कहा कि विकसित भारतः जीरामजी योजना मनरेगा से आगे का सशक्त कदम है। मनरेगा में 100 दिन के रोजगार की गारंटी थी। जबकि, जीरामजी योजना में 125 दिनों के काम की कानूनी गारंटी होगी। वहीं, कार्य का भुगतान देरी से होने पर अतिरिक्त भुगतान का प्रावधान किया गया है। साहू ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा इस वर्ष योजना के लिए 1,51,282 करोड़ का प्रावधान किया गया है, ताकि गांवों में रोजगार के साथ समग्र विकास हो सके। जीरामजी योजना के माध्यम से जल संरक्षण, ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर, आजीविका और आपदा प्रबंधन जैसे कार्यों से स्वावलंबी और गरीबी-मुक्त गांव बनाए जाएंगे। योजना के तहत प्रशासनिक व्यय 6 से बढ़ाकर 9 प्रतिशत किया गया है। जिससे पंचायत सचिव, रोजगार सहायक और तकनीकी स्टाफ को समय पर पूरा वेतन मिल सके।

मेंशन मजदूर संघ तुमगांव शाखा में पदाधिकारियों का चयन

महासमुंद। 3 जनवरी 2026 को मेंशन मजदूर संघ पंजीयन क्रमांक 4703 महासमुंद से संबंधित तुमगांव शाखा की बैठक में संघ के सफल संचालन के लिए राजमिस्त्री और श्रमिकों की उपस्थिति में नए पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन किया गया। बैठक में उपस्थित सदस्यों की आम सहमति से तुमगांव मेंशन मजदूर संघ का अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार धीवर (तुमगांव), उपाध्यक्ष तिलक बंजारे (भोरिंग), सचिव भोजराम सिन्हा (खैरझिटी), कोषाध्यक्ष तुकाराम कश्यप (कोडार बांध), संचालक संतुराम विश्वकर्मा (तुमगांव), संरक्षक थानसिंग खैरवार (बिरबिरा), कार्यालय प्रभारी मुंशी चोवाराम विश्वकर्मा (तुमगांव) का चयन किया गया। नवनियुक्त अध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारियों ने मेंशन मजदूर संघ से संबंधित सभी समस्त श्रमिकों से मजदूर हित में कार्य करने के साथ निर्माण कार्यो में गुणवत्ता के साथ कार्य दर को लेकर आवश्यक चर्चा की गई। मेंशन मजदूर संघ की मुख्य शाखा मेंशन मजदूर संघ के अध्यक्ष राधेश्याम धीवर सहित सभी पदाधिकारियों के समक्ष तुमगांव शाखा की गतिविधियों और पदाधिकारी चयन की कार्रवाई प्रेषित करने का निर्णय भी सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठक में प्रमुख रूप से कांशीराम, भोलाराम बंजारे, चोवाराम पटेल, हेमंत यादव, नरेंद्र धीवर, भुनेश्वर, संतोष, भागवत आदि मौजूद रहे।

शाकंभरी जयंती पर सब्जियों का वितरण, खट्टी में शांकभरी जयंती पर की गई पूजा अर्चना

नर्रा। पौष पूर्णिमा छेरछेरा एवं माता शांकभरी की जयंती पर नर्रा के शांति नगर में सब्जियों का वितरण किया गया। इस अवसर पर मोहल्ले के युवा संगठनों द्वारा सब्जी में मूली, गोभी, लौकी, बैगन, टमाटर, आलू, पालक, मेथी, बथुआ इत्यादि साग सब्जियों का थैला पैकेट बनाकर प्रसादी के रूप में वितरण किया गया। माता शांकभरी को सब्जियों की देवी कहा गया है, जिन्होंने अकाल के समय अपने शरीर से उत्पन्न साग भाजी से संसार का पेट भरा था। इस अवसर पर माता शाकंभरी की भजन कीर्तन गाते हुए सब्जी का वितरण किया। इस दौरान युवा संगठन के सदस्य दयालुराम पटेल, धनराज पटेल, कौशल पटेल, भागीराम चंदन पटेल, नंदकुमार, लक्ष्मण, महेश, धनसाय, बीजू आदि मौजूद रहे। इसी प्रकार ग्राम खट्टी के मरार समाज द्वारा मंदिर में विराजित माता शाकंभरी देवी की पूजा अर्चना कर साग भाजी सब्जि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर महेंद्र पटेल, पवन पटेल, कौशिक पटेल के अलावा समाज के लोग उपस्थित रहे।

स्मरण : कांग्रेसियों ने शिक्षिका सावित्रीबाई फुले के कार्यों को किया याद

पिछड़ा वर्ग कांग्रेस ने मनाई देश की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की जयंती

हरिभूमि न्यूज ⏭ बागबाहरा

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर छत्तीसगढ़ प्रदेश पिछड़ा वर्ग कांग्रेस द्वारा देश की प्रथम महिला शिक्षिका एवं सामाजिक क्रांति की अग्रदूत सावित्रीबाई फुले की जयंती मनाई गई।

यह कार्यक्रम पिछड़ा वर्ग कांग्रेस कार्यालय बागबाहरा में आयोजित किया गया, जो कि छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव नायक राम चंद्राकर के मुख्य आतिथ्य में हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत सावित्रीबाई फुले के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके पश्चात विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ। जिसमें प्रमुख रूप से छत्तीसगढ़ कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश अध्यक्ष केशव नायक राम चंद्राकर ने सावित्रीबाई फुले के जीवन, संघर्ष और बालिका शिक्षा के क्षेत्र में उनके ऐतिहासिक योगदान पर सारगर्भित उद्बोधन दिया।

अपने उद्बोधन में कार्यक्रम के मुख्य वक्ता केशव नायक राम चंद्राकर ने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने उस दौर में शिक्षा की अलख जगाई, जब महिलाओं और दलित

समाज को पढ़ने का अधिकार तक नहीं था। उन्होंने सामाजिक कुरीतियों, छुआछूत और लैंगिक भेदभाव के विरुद्ध संघर्ष करते हुए महिला शिक्षा की मजबूत नींव रखी। आज देश में शिक्षित और सशक्त महिलाओं की जो पहचान बनी है, उसके मूल में सावित्रीबाई फुले का त्याग, साहस और संघर्ष निहित है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी सदैव सामाजिक न्याय, समानता और शिक्षा के अधिकार की पक्षधर रही है और सावित्रीबाई फुले के विचार आज भी कांग्रेस की विचारधारा को दिशा देते हैं।कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा जारी निर्देशों की जानकारी भी साझा की गई। बताया गया कि 3 जनवरी को सामाजिक एकता, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण की अग्रदूत सावित्रीबाई फुले की जयंती के अवसर पर देशभर में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। यह आयोजन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के मार्गदर्शन तथा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जयहिंद के समन्वय में हो रहे हैं। साथ ही उपस्थित वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सावित्रीबाई फुले भारत की पहली दलित महिला शिक्षिका और प्रधानाध्यापिका थीं, जिन्होंने पिछड़े, दलित और वंचित वर्गों के लिए शिक्षा के द्वार खोले। उन्होंने विधवा पुनर्विवाह, महिला अधिकारों और सामाजिक समानता के लिए आजीवन संघर्ष किया। उनका जीवन समाज में परिवर्तन की प्रेरणा है।

कार्यक्रम का उद्देश्य सावित्रीबाई फुले के विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना, सामाजिक समरसता को मजबूत करना तथा शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के महत्व को रेखांकित करना रहा। अंत में सभी उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सावित्रीबाई फुले के बताए मार्ग पर चलने और सामाजिक न्याय के संकल्प को आगे बढ़ाने का प्रण लिया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से विष्णु महानंद, गणेश शर्मा, गिरीश पटेल, राजेश सोनी, सेत लाल, रामलाल सिन्हा, रिंकू चेतन चंद्राकर, दुर्गेश यादव, देव लाल निषाद, जनक पटेल, राजेश यादव, अरुण विश्वकर्मा, भेख राम पटेल, कमलेश यादव, पुनीत कुमार सहित पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अमलीडीह में मनाई गई 269 वीं गुरु घासीदास जयंती

फिजूलखर्ची न कर जयंती कार्यक्रम को सादगी से मनाएं : दिनेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

दिसंबर माह के अंतिम दिवस प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज के पदाधिकारी दिनेश बंजारे प्रदेश सहसचिव, विजय बंजारे जिलाध्यक्ष, रेखराज बघेल जिला सचिव बागबाहरा ब्लॉक के अमलीडीह में आयोजित गुरु घासीदास जयंती कार्यक्रम में विशेष आमंत्रण पर देर रात शामिल होकर पूजा अर्चना करने के पश्चात समाज को संबोधित किया। गांव-गांव के जयंती कार्यक्रम में लाखों रुपए की आर्केस्ट्रा, नाच गम्मत लगाकर पैसे बर्बाद करने पर चिंता जाहिर करते हुए दिनेश बंजारे ने फिजूल खर्ची कार्यक्रम के जरिए जयंती मनाने की बजाए सादगी रुप से छात्रों, बड़े बुजुर्गों के सम्मान करने जैसे रचनात्मक कार्यों के जरिए जयंती मनाने अपील की। विजय ने समाज के लोगों से अपील करते हुए कहा कि ऐसा कोई भी कार्य ना करें जिससे समाज की मान सम्मान को ठेस पहुंचे। क्योंकि, हम लोगों ने नौ माह जेल में समाज के ही मान सम्मान के लिए बिताए हैं। जिला सचिव रेखराज बघेल ने समाज से आह्वान किया कि गुरु घासीदास बाबा के बताए मार्ग और सतनाम संस्कृति को अपने जीवन में अंगीकृत करने से सुख शांति मान सम्मान प्राप्त होगी। जिसके लिए प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज सभी क्षेत्रों में कार्य कर रही है। कार्यक्रम में समाज के अठगंवा अध्यक्ष कृष्ण कुमार नारंग, सचिव देवकुमार जोशी, चोलेश्वर मार्कंडेय, कन्हैया सांडे, चैतराम मांडले, महंगूदास मांडले, परसराम पात्रे, मोहन बंजारे, हरिश्चंद्र मांडले, भेखराम मारकंडेय, लाल कुमार मार्कंडेय, नोहर आदि मौजूद रहे।

साल्हेतराई के जेब्रा क्रॉसिंग के पास बाइक साइन बोर्ड से टकराई, अधेड़ मृत

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

राष्ट्रीय राजमार्ग-53 फोरलेन पर सड़क दुर्घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। आएदिन हो रहे हादसों से अब तक दर्जनों लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को ग्राम साल्हेतराई के जेब्रा क्रॉसिंग के पास एक और दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतक की पहचान ग्राम पाईकपारा बलौदा, थाना सरायपाली पृथ्वीराज भोई (42) के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पृथ्वीराज भोई शुक्रवार सुबह घर से निकला था। उन्होंने अपने साथियों को पिकअप वाहन से बैल खरीदने सांकरा बैल बाजार भेजा, जबकि स्वयं बाइक क्रमांक सीजी 06 जीबी 4725 से अकेले सांकरा पहुंचा। दोपहर करीब 11 बजे बैल खरीदने के बाद पिकअप वाहन में बैल व साथी गांव के लिए रवाना हो गए, जबकि पृथ्वीराज अपनी बाइक से ग्राम पाईकपारा लौट रहा था । इसी दौरान एनएच-53 फोरलेन पर ग्राम साल्हेतराई के जेब्रा क्रॉसिंग के पास तेज रफ्तार में उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे लगे साइन बोर्ड से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि उन्हें गंभीर चोटें आईं और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना तत्काल टोल प्लाजा एंबुलेंस 1033 को दी गई। सूचना मिलते ही एंबुलेंस मौके पर पहुंची। एंबुलेंस में मौजूद डॉ. अश्विनी मिश्रा ने प्राथमिक जांच के बाद घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बसना पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण उपरांत मृत घोषित कर दिया।

परिवार का एकमात्र सहारा था मृतक पृथ्वीराज

हादसे की खबर मिलते ही कोहराम मच गया। ग्रामीणों ने बताया कि पृथ्वीराज भोई परिवार का एकमात्र प्रमुख सहारा था। मेहनत-मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता था। उनकी असमय मौत से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने मर्ग कायम कर पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस मामले की विवेचना में जुटी हुई है।

शांकभरी जयंती पर हरिभूमि कैलेंडर का विमोचन

नर्रा। राष्ट्रीय अखबार हरिभूमि के कैलेंडर 2026 का विमोचन किया गया।

आईडी केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की स्थायी शैक्षणिक पहचान

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

जिला शिक्षा अधिकारी विजय लहरे एवं जिला मिशन समन्वयक (डीएमसी) रेखराज शर्मा के मार्गदर्शन में विकासखंड बागबाहरा में समस्त निजी एवं अनुदान प्राप्त अशासकीय विद्यालयों की अपार आईडी के संबंध में विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का आयोजन एवं संचालन सहायक विकासखंड शिक्षाधिकारी रामता डे के विशेष सक्रिय समन्वय में किया गया। बैठक की अध्यक्षता विकासखंड शिक्षाधिकारी केके वर्मा ने की। इस अवसर पर पीएम सेजेस बागबाहरा की प्राचार्या सुषमा बड़ा, बीआरसी भूपेश्वरी साहू, संकुल समन्वयक भूपेंद्र निराला तथा विकासखंड के सभी निजी/अनुदान प्राप्त अशासकीय विद्यालयों के संस्था प्रमुख एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में एबीईओ रामता डे द्वारा अपार आईडी निर्माण की विकासखंड स्तरीय प्रगति की विद्यालयवार विस्तृत समीक्षा प्रस्तुत की गई। उन्होंने शेष प्रकरणों, आधार प्रमाणीकरण, दस्तावेज़ अपलोड, पोर्टल प्रविष्टि तथा तकनीकी समस्याओं पर बिंदुवार चर्चा करते हुए त्वरित समाधान के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए।

साथ ही कहा कि अपार आईडी केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की स्थायी शैक्षणिक पहचान है, जो भविष्य में उनकी शैक्षणिक निरंतरता, डिजिटल रिकॉर्ड एवं शासन की विभिन्न योजनाओं से जोड़ने में सहायक होगी। उन्होंने सभी निजी एवं अनुदान प्राप्त विद्यालयों से अपील की कि वे इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आगामी सप्ताहांत तक पूर्ण करें। साथ ही विद्यालय स्तर पर एक जिम्मेदार नोडल व्यक्ति नियुक्त करें, विद्यार्थियों के अभिभावकों से समन्वय स्थापित करें तथा किसी भी तकनीकी या प्रक्रियागत समस्या की जानकारी तत्काल संकुल या विकासखंड कार्यालय को उपलब्ध कराएं, जिससे समय पर निराकरण किया जा सके। विकासखंड शिक्षाधिकारी केके वर्मा ने जिला शिक्षा अधिकारी एवं डीएमसी के निर्देशों का उल्लेख करते हुए कहा कि अपार आईडी निर्माण शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। अतः सभी निजी/अनुदान प्राप्त विद्यालय निर्धारित समय-सीमा में शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने विकासखंड स्तरीय टीम के नेतृत्व में संकुल स्तर पर सतत मॉनिटरिंग एवं सहयोगात्मक कार्यप्रणाली अपनाने पर विशेष बल दिया। प्राचार्या सुषमा बड़ा द्वारा विद्यालय स्तर पर सफल क्रियान्वयन के व्यावहारिक अनुभव साझा किए गए। वहीं संकुल समन्वयक भूपेंद्र निराला ने संकुल स्तर पर नियमित फॉलोअप, मार्गदर्शन एवं आवश्यक सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि आगामी दिनों में विकासखंड स्तर पर नियमित समीक्षा बैठकों के माध्यम से प्रगति की निगरानी की जाएगी।

पेंशनर्स एसोसिएशन के नववर्ष मिलन समारोह में नए सदस्यों का किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

पेंशनर्स एसोसिएशन महासमुंद का नववर्ष मिलन समारोह बेमचा स्थित गायत्री मंदिर में 01 जनवरी 2026 को मनाया गया। समारोह का प्रारंभ सरस्वती पूजन के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिवकुमार साहू प्रादेशिक उपाध्यक्ष, रामकुमार साहू अध्यक्ष ने की। सरस्वती वंदन उपरांत गायत्री संस्थान के भगत साहू ने गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ हिंदू नववर्ष एवं अंग्रेजी नववर्ष की अध्यात्मिक एवं ऐतिहासिक विवेचना प्रस्तुत कर सभी पेंशनरों को ज्ञानवर्धक जानकारी दी। उपरांत संगठन ने अपने दिवंगत साथी स्व. मिलऊराम दीवान को विनम्र श्रद्धांजलि देते हुए दो मिनट का मौन रखा। पश्चात कार्यक्रम संचालक ने संगठन के नए सदस्यों क्रमशः यूएस रामगढ़िया पूर्व प्राचार्य, विनोद शर्मा उपनिरीक्षक, नंद कुमार चंद्राकर राजस्व निरीक्षक, रेवाराम साहू जल संसाधन विभाग, विष्णु प्रसाद साहू जल संसाधन विभाग, सुरेश साहू कलेक्टर कार्यालय, शब्बीर अली आबकारी विभाग को आमंत्रित किया।

संगठन के अध्यक्ष रामकुमार साहू, उपाध्यक्षद्वय गोवर्धन साहू, चंद्रबदन मिश्रा, कोषाध्यक्ष आईएम कुरैशी, संगठन मंत्री-चमन लाल साहू, भूषण भोसले, कार्यकारिणी सदस्य नेहरू साहू ने सभी नए सदस्यों का गुलाल लगाकर श्रीफल भेंटकर स्वागत किया। स्वागत उपरांत सभी सदस्यों ने संक्षिप्त में कार्यक्षेत्र तथा जीवन परिचय दिया एवं संगठन के प्रति अपनी भावनाओं से सभी को अवगत कराते हुए पेंशनर हित में कार्य करने के लिए प्रतिबद्धता दर्शाई। इसी क्रम में 80 वर्ष की आयुपूर्ण कर चुके वरिष्ठ पेंशनर एलएन शर्मा

सेवानिवृत्त सहायक वाणिज्य कर अधिकारी का स्वागत संगठन के सभी पदाधिकारियों ने किया। अपने स्वागत उपरांत शर्मा ने संबोधन क्रम में पेंशनरों को धन्यवाद देते हुए जानकारी दी कि वे हमेशा पेंशनर हित में विभिन्न विभागों से पत्राचार करते रहेंगे तथा उन्होंने अनेक न्यायालयीन निर्णय से अवगत कराया। कार्यक्रम के मध्य में शिवकुमार साहू ने बीते 24 दिसंबर को प्रांतीय अध्यक्ष यशवंत देवान द्वारा प्रधानमंत्री को प्रेषित मांग पत्र एवं 29 दिसंबर 2025 को पेंशनर फेडरेशन द्वारा कलेक्टर महासमुंद के माध्यम से मुख्यमंत्री को सौपें गए ज्ञापन की जानकारी दी। इस ज्ञापन में प्रमुख रूप से मप्र पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49 (6) की समाप्ति, पेंशनरों की आयु 65 वर्ष पूर्ण होने पर 05 प्रतिशत एवं 70 वर्ष का उम्र पूर्ण होने पर 10 प्रतिशत, 75 वर्ष पूर्ण होने पर 15 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन की मांग, पेंशनरों की गंभीर बीमारियों पर चिकित्सा प्रतिपूर्ति की मांग, मृत्यु होने पर एक्सग्रेसिया राशि का भुगतान एवं अन्य मांग सम्मिलित है। संबोधन क्रम में अध्यक्ष राम कुमार साहू ने संगठनात्मक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। सभी पेंशनरों को 18 जनवरी 2026 को पेंशनर्स भवन पिथौरा में प्रातः10 बजे से आयोजित वार्षिक पेंशनर्स दिवस समारोह में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। कार्यक्रम में इसके उपरांत नववर्ष पर पेंशनरों ने काव्य पाठ, गीत आदि प्रस्तुत किया। कार्यक्रम यूएस रामगढ़िया, रामकुमार साहू, शिवकुमार साहू, संतोष साहू, चम्मन लाल साहू ने भाग लिया। कार्यक्रम की अंतिम कड़ी में संगठन मंत्री चम्मन लाल साहू ने पूरे वर्ष भर किये गये संगठन संबंधी कार्यों की चर्चा करते हुए पेंशनर्स एसोसिएशन के महत्व को दर्शाते हुए एवं आभार प्रदर्शन कर कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की। नववर्ष मिलन समारोह में पुरूषोत्तम चंद्राकर, नरोत्तम साहू, रमेश गुप्ता, एमआई खान, सतानंद यादव, मेघनाथ साहू, यशवंत साहू, मुरली पटेल, रूपचंद वर्मा, राधेश्याम चंद्राकर, संतुराम, चोवाराम, रतनलाल, अर्जुन, तिलचंद यादव आदि मौजूद रहे।

क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया छेरछेरा पर्व

नर्रा। पौष पूर्णिमा पर शनिवार को क्षेत्र में छत्तीसगढ़ का पारंपरिक पर्व छेरछेरा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह पर्व नई फसल के घर आने की खुशी में लोग खुले दिल से धान और अन्य वस्तुओं का दान करते हैं। अन्नदान का यह महापर्व को लेकर बच्चे युवा वर्ग सहित सभी वर्ग के लोग छेरछेरा मांगने निकले। जहां गली मोहल्ले व घर घर जाकर छेरछेरा माई कोठी के धान ल हेरहेरा का गूंजता रहा। लोगों में पर्व को लेकर उत्साह दिखा। सुबह से ही लोग झोला, थैला, टोकरी लेकर छेरछेरा मांगने निकले।

सलिहाभांठा स्कूल के बच्चों ने मनाया पारंपरिक पर्व छेरछेरा

महासमुंद। प्राथमिक शाला सलिहाभांठा में बाल कैबिनेट के नेतृत्व में बच्चों ने नाचते-गाते पारंपरिक वेशभूषा में सजधजकर छत्तीसगढ़ का पारंपरिक अन्न दान का पर्व धूमधाम से मनाया गया। गांव भ्रमण कर पारंपरिक वेशभूषा में मंत्री राहुल और दामनी ध्रुव के नेतृत्व में नाचते गाते बच्चों ने गांव में लोगों से अन्न दान मांगा। बच्चे 'छेरछेरा माई कोठी के धान ल हेरहेरा, अरन-बरन, कोदो दरन, जभे देबे तभे टरन' की आवाज के साथ छेरछेरा मांगा गया। अनेक जगह लोगों द्वारा बच्चों को चॉकलेट, बिस्किट देकर भी प्रोत्साहित किए। लोगों ने इस दौरान बच्चों के लिए ताली बजाकर खूब उत्साहवर्धन किए। गांव में बच्चों के साथ अन्य लोग भी जुड़ते गए।

बाल कैबिनेट के प्रधानमंत्री रूखमणि ध्रुव ने चर्चा में बताया कि मिले छेरछेरा से बाल कैबिनेट द्वारा सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए किया जाएगा। छेरछेरा भ्रमण में पालकों की ओर से एसएमसी अध्यक्ष पिरीत राम साहू, दौलत राम दीवान, पंचराम ध्रुव, दयालु राम ध्रुव, कीरीत दीवान, सुकदेव दीवान, योगीराम साहू, हुलश सिन्हा बच्चों के साथ उपस्थित रहे।

बिरकोनी में धूमधाम से मनाया गया छेरछेरा पर्व

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिरकोनी

साल का पहला त्योहार व छत्तीसगढ़ का लोक पर्व छेरछेरा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। छेरछेरा पर्व नई फसल को खलिहान से घर लाने की खुशी में पौष पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। छेरछेरा माई कोठी के धान ल हेरहेरा से संबोधन कर घर के आंगन में दान मांगते हैं। इस पर्व को लेकर बच्चों में भारी खुशी झलकी। सभी घर से धान एकत्रित कर दुकान में बेच कर पैसा को बच्चों की टोली में बराबर बांटी गई। इस पैसा को बच्चों ने अपने शौक के हिसाब से मेले में खर्च किए। कोई शिक्षा से सम्बंधित सामग्री खरीदी तो को मड़ई मेले में अपने पसंद के खिलौने खरीद कर अपने उत्सुकता जाहिर की। क्षेत्र के मानस मंडलियों द्वारा पारंपरिक छत्तीसगढ़ गीतों व नृत्य की प्रस्तुति देते हुए और दशहरा व गणेश पर्व में दिए गए दान को छेरछेरा के दिन मांगते है। वहीं घरों में मां अन्नपूर्णा देवी की पूजा कर खीर पूड़ी प्रसाद का भोग लगाया। इस दिन पर्व को लेकर किसानों ने पारंपरिक वस्त्र धारण कर खलिहान, खेत, बाड़ी व कोठी में दीप जलाए।

अरंड (पिथौरा)। छत्तीसगढ़ का पारंपरिक त्योहार छेरछेरा पुन्नी पर ग्रामीण अंचलों में उल्लास पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर बच्चे बड़े सभी टोली बनाकर घर घर पहुंच कर धान मांग कर परंपरा को जीवंत रखा। ग्राम अरंड में खुशहाली का प्रतीक इस त्योहार में घर घर पहुंचे लोगों को महिलाओं ने अन्नदान कर विदा किया। गांव के सेत बाई ध्रुव, जमुना बाई, मिलो बाई ध्रुव, चंपेश्वरी बाई, अजय ध्रुव समेत सभी ग्रामीणों ने अन्नदान महापर्व मनाया। वहीं दूसरी ओर सुबह से ही बच्चे थैला लेकर समूह में घर घर जाकर छेरछेरा कोठी के धान ल हेर हेरा कहते नजर आए। शिक्षक कौतुक पटेल ने बताया कि पहले ग्राम के प्रमुख लोग गांव के किसी सार्वजनिक हित के कार्य के लिए छेर छेरा मांगते थे। क्रिकेट खेलने वाले युवा भी खेल सामग्री के लिए धन संग्रह करने के लिए छेरछेरा मांगते थे, जो अब नहीं दिखते। लेकिन, बच्चों को इस त्योहार का बहुत ही बेसब्री से इंतजार रहता है।

महासमुंद। लाफिनखुर्द में मनाया गया छेरछेरा पर्व।

खैरा में बच्चों और ग्रामीणों ने घर-घर जाकर मांगा अन्नदान

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

जिला मुख्यालय के नजदीकी ग्राम खैरा में छत्तीसगढ़ का पारंपरिक छेरछेरा पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। छेरछेरा, कोठी के धान ल हेरते हेरा के जयघोष के साथ पूरा गांव उत्सव के रंग में डूबा नजर आया। सुबह से ही बच्चों की टोलियां हाथों में थैले और टोकरियां लेकर घर-घर पहुंचने लगे। बच्चों के साथ-साथ युवाओं और बुजुर्गों में भी इस पर्व को लेकर खासा उत्साह देखा गया। ग्रामीणों ने अपनी परंपरा का निर्वहन करते हुए अन्न धान एवं चावल अपने सामर्थ्य अनुसार दान दिया। मान्यता है कि इस दिन दान देने से घर में सुख-समृद्धि आती है और भंडार भरे रहते हैं। गांव की गलियों में डफली और मांदर की थाप पर लोक गीतों की गूंज सुनाई दी। खैरा में यह पर्व आपसी भाईचारे और सामाजिक समरसता के प्रतीक के रूप में मनाया गया। फसल कटाई के बाद खुशी मनाने का यह पारंपरिक तरीका आज भी नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़े हुए है। शाम तक गांव के प्रत्येक घर में उत्सव जैसा माहौल बना रहा।

भोरिंग में शिक्षक-युवाओं ने अन्नदान महापर्व छेरछेरा को उत्साहपूर्वक मनाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक-संस्कृति एवं परंपराओं को सहेजने की दिशा में गौरव गांव भोरिंग के शिक्षक समूह द्वारा छत्तीसगढ़ का प्रमुख लोकपर्व दान का महापर्व छेरछेरा हर्षोल्लास एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शिक्षकों ने छेरछेरा पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह पर्व दान, सहयोग, सामाजिक समरसता एवं आपसी भाईचारे का प्रतीक है। कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ी लोकगीतों, पारंपरिक अभिवादन और दान की परंपरा को

जीवंत किया गया। शिक्षकों ने यह संदेश दिया कि छेरछेरा केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि समाज में सहयोग, करुणा और समानता की भावना को मजबूत करने वाला महापर्व है। इस आयोजन के माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक जितेंद्र साहू ने बताया छत्तीसगढ़ी संस्कृति को आगे बढ़ाने तथा सामाजिक मूल्यों को शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस दौरान शिक्षक जितेंद्र कुमार साहू, भोजराम साहू, लोकनाथ साहू, पवन साहू, नीलकमल साहू, प्रीतम साहू, ठाकुर राम साहू, टकेश साहू, शिवराम साहू, भावेश साहू, राजेश साहू, चंपेश्वर साहू, सुरेश यादव, जिरेंद्र साहू आदि मौजूद रहे।

छेरछेरा पर्व पर तुषार ने मांगा अन्नदान

महासमुंद। घर-घर अन्न दान लेकर भाजपा किसान नेता अशवंत तुषार साहू पहुंचे। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक-सांस्कृतिक परंपराओं में विशेष स्थान रखने वाले छेरछेरा तिहार पर ग्राम मचेवा कलेक्टर कॉलोनी में पारंपरिक रूप से घर-घर जाकर अन्न दान मांगा। इस अवसर पर गांव में उत्साह, अपनत्व और लोक उल्लास का वातावरण देखने को मिला। तुषार ने छेरछेरा की परंपरा का निर्वहन करते हुए ग्रामीणों से आत्मीय भेंट की और अन्न दान स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि छेरछेरा तिहार छत्तीसगढ़ की आत्मा से जुड़ा पर्व है, जो समाज में समानता, सहयोग और दान की भावना को सशक्त करता है। यह लोक पर्व हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है और सामाजिक समरसता का संदेश देता है।

खट्टी में मनाया गया छेरछेरा पर्व

महासमुंद। ग्राम खट्टी में छेरछेरा पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। छेरछेरा पर्व पर सुबह से ही गांव में बच्चों, बड़ों की टोलियां गाजे-बाजे के साथ गांव की विभिन्न गलियों में घूम-घूम कर छेरछेरा मांगकर इस परंपरा का निर्वाहन किया। बच्चों में छेरछेरा पर्व को लेकर अच्छा खासा उत्साह देखने को मिला।

खरोरा में धूमधाम से मनाया गया में छेरछेरा त्योहार

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

ग्राम खरोरा में छत्तीसगढ़ छेरछेरा त्योहार को बड़ी धूमधाम से मनाया गया। छेरछेरा का पर्व और उत्सव हैं, जो न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण होते हैं, बल्कि समाज में सामूहिकता, भाईचारे और सामाजिक सहयोग की भावना को भी बढ़ावा देते हैं। इनमें से एक प्रमुख और विशिष्ट पर्व छेरछेरा है, जो विशेष रूप से छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्र में धूमधाम से मनाया जाता है। यह पर्व छत्तीसगढ़ की ग्रामीण संस्कृति का आदर्श प्रस्तुत करता है और किसानों के जीवन से जुड़ा हुआ है। छेरछेरा पर्व कृषि पर आधारित होने के कारण यह नए कृषि मौसम और फसल कटाई के बाद मनाया जाता है, जिसे हर साल

पौष पूर्णिमा के दिन बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। छेरछेरा पर्व की शुरुआत में ग्राम देवताओं की पूजा होती है, जिसे ग्रामीण अपने क्षेत्र की सुरक्षा के लिए तथा कृषि की उन्नति की कामना से करते हैं।

यह पर्व फसल के कटाई के बाद एक सामूहिक उत्सव के रूप में मनाया जाता है, जो समाज के सभी वर्गों को एकजुट करता है। इस दिन विशेष रूप से छोटे बच्चे, युवक और युवतियां हाथ में टोकरी या बोरियां लेकर घर-घर छेरछेरा मांगने निकलते हैं। छेरछेरा में कोठे के धान ला हेर देस जैसे पारंपरिक गीत गाते हुए घरों के सामने जाते हैं और वहां से नया चावल और नकद राशि प्राप्त करते हैं। यह सब एक सामूहिक खुशी का हिस्सा होता है, जो पूरे गांव को उत्साहित और सामूहिक रूप से एकजुट करता है।

जनपद पंचायत उपाध्यक्ष ने बेलसोंडा में हर्षोल्लास के साथ मनाया छेरछेरा पर्व

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

छत्तीसगढ़ के लोक पर्व छेरछेरा पर शनिवार को चारों ओर उत्साह का माहौल रहा, जहां जनपद उपाध्यक्ष हुलसी जितेंद्र चंद्राकर ने अपने गृह ग्राम बेलसोंडा के ग्रामीणों के साथ इस उत्सव को बड़े ही धूमधाम से मनाया।

सुबह से ही गांव की गलियां छेरछेरा, माई कोठी के धान ला हेर हेरा के जयघोष से गुंजायमान रहीं। इस दौरान जनपद उपाध्यक्ष ने अपनी सादगी का परिचय देते हुए कंधे पर झोला लटकाकर घर-घर जाकर पारंपरिक रूप से अन्न का

दान मांगा और बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया। ग्रामीणों ने भी अपने जनप्रतिनिधि को अपने बीच पाकर गर्मजोशी से स्वागत किया और अपनी कोठियों से नया धान निकालकर दान किया। हुलसी ने बताया कि छेरछेरा का यह पर्व हमारी दानशीलता और अभिमान त्याग का प्रतीक है, जो हमें समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने की प्रेरणा देता है।

अपनी संस्कृति और मिट्टी से जुड़ाव ही हमारी असली पहचान है। साथ ही साथ में उन्होंने बच्चों, ग्रामवासियों को भी छेरछेरा में धान दान किए।